सार-समाचार

धोरीमन्ना में दिव्यांगों के लिए शिविर कल

धोरीमन्ना, (निसं)। जिला कलेक्टर बाडमेर द्वारा प्रदत्त निर्देशो की अनुपालना में नवो बाडमेर समन्वित प्रयास सशक्त समाज अभियान के तहत बाडमेर जिले के दिव्यांगजनो का चिहीकरण दिव्यांग. प्रमाण पत्र जारी करने तथा सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए उपखंड स्तरीय धोरीमना पर 22 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे से 5.30 तक उपखंड स्तरीय सीवर का आयोजन पंचायत समिति परिसर धोरीमना पर किया जावेगा। उपखंड अधिकारी धोरीमना केशव कुमार मीणा ने बताया कि उक्त उपखंड स्तरीय शिविर में पंचायत समिति धोरीमन्न के ऐसे व्यक्ति जो दिव्यांगता आंखों की कमजोरी मानसिक विकार मुक बधिर सहित किसी भी प्रकार की दिव्यांगता.से ग्रसित है शिविर में आकर अपनी जांच करवा सकते हैं। उक्त शिविर में मेडिकल कॉलेज एवं जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों का दल सभी प्रकार की दिव्यांगता की जांच करने हेतु उपस्थित रहेगा।जाच के पश्चचात पत्र दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र जारी कर विभिन्न सरकारी योजना के लिए पात्र दिव्यांग जनों को उक्त योजनाओं से लाभान्वित किया जाना प्रस्तावित है। उक्त शिविर में समस्त विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे तथा दिव्यांगजनों के लिए योजनाएं योजनाएं जैसे पेंशन सार्वजनिक शौचालय टाके रोडवेज पास सामाजिक सुरक्षा पेंशन मुख्यमंत्री कन्यादान योजना स्वरोजगार योजना पालनहार योजना आदि के लिए पात्र दिव्यांगजनों के फॉर्म शिवर स्थल पर भी ही भरे जाएंगे। साथ ही मीणा ने आमजन से अपील की कि पंचायत समिति धोरीमन्न में निवासरत दिव्यांगज जिनका दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ है या दिव्यांगजनो हेतु जनों हेतु चलाई गई। सरकारी योजनाओं को लाभ किसी दिव्यांगजन.को नहीं मिल रहा है तो वो अपनी समस्या के समाधान के लिए उपखंड स्तरीय शिविर 22 अक्टूबर पंचायत समिति परिसर धोरीमना में आकर राहत प्राप्त कर सकता हैं। इसलिए सभी सम्भावित लाभार्थी उक्त शिविर में अधिक से अधिक संख्या में जनआधार आवेदन पत्र आधार कार्ड के दस्तावेज के साथ भाग लेकर राहत प्राप्त करें।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद का समापन

धोरीमन्ना, (निसं)। धोरीमन्ना पंचायत समिति के 8वां तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भालीखाल पीईईओ के राउप्रावि सुथारों-भीलों की ढाणी में हुआ। जिसमें धोरीमन्ना पंचायत समिति के 44 पीईईओ विद्यालयों के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपना दमखम दिखाया। स्टेट अवार्डी शिक्षक जगदीश प्रसाद विश्नोई ने बताया कि कब्बड्डी मेजर खेल छात्र वर्ग में प्रथम स्थान भीमथल पीईईओ की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाबूबेरा ने प्राप्त किया,कब्बड्डी छात्रा वर्ग में प्रथम स्थान जूनाखेड़ा पीईईओ ने प्राप्त किया,खो-खो छात्र व छात्रा वर्ग में प्रथम स्थान मेहलू ने प्राप्त किया। सभी विजेता टीम को मंचासीन अतिथियों द्वारा ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान राणा भवानी कुलदीप सिंह ने बताया खेलकूद का हमारे जीवन में बडा महत्व है। खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है बल्कि सामाजिक विकास में भी खेल काफी सहायक हैं। खेलों में हिस्सा लेने से आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है। साथ ही टीम भावना व प्रतियोगिता की भावना का भी विकास होता है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी खेराजराम गोदारा ने बताया कि खेल हमारे सर्वांगीण विकास के लिए बहुत ही बेहतरीन टॉनिक है। बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खेल बहुत ही आवश्यक हैं। बच्चा जब बहुत छोटा होता है,तब वह चारपाई पर लेटा हुआ अपने हाथों और पैरों को चलाता रहता है, जिससे उसकी वर्जिश होती है और उसका दूध पच जाता है। खेल-खेल में वह अपने-आपको तंदुरूस्त रखता है। खेल हमारे जीवन में शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के साथ गहराई से जुडा हुआ है। उन्होंने सफलतम आयोजन के लिए विद्यालय व ग्रामीणों का शिक्षा विभाग की ओर से आभार प्रकट किया। स्थानीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक बांकाराम पटेल द्वारा प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

अग्निवीर में चयन होने पर स्वागत किया

पोकरण, (निसं)। पोकरण के नागाणाराय डिफेंस एकेडमी में रहकर राजकीय सेवा कि तैयारी कर रहे। झबरसिंह बेलवा लक्ष्मणसिंह पुगलिया अशोकसिंह भणियाणा को राष्ट्र सेवा के लिए आर्मी में अग्निवीर भर्ती में सिलेक्शन होने पर एकेडमी कार्यकारिणी द्वारा चयनित विद्यार्थियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता देवीसिंह नोखडा, विशिष्ट अतिथि बंजरग दल जिला संयोजक वीरमसिह सनावडा , एकेडमी निदेशक ईश्वरसिह बाधा ने चयन अभ्यर्थियों के साथ उनके अभिभावकों का भी माला पहनाकर स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्य अतिथि देवीसिंह ने सफल अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा की समाज लगातार शिक्षा के क्षेत्र सुधार के साथ सरकारी सेवाओं में अपनी सेवाएं दे रहे। जो गर्व की बात है। जीवन में हमेशा सच्चाई की राह पर चलने के साथ माता पिता की आज्ञा अनुसार कार्य करें। हमेशा गांव और समाज का नाम रोशन करें। साथ ही अनुशासन में रहें। सफलता की सबसे बडी कुंजी अनुशासन को बताया। इस दौरान वीरमसिह सनावडा ने सम्बोधित करते हुए भारतीय सेना देश के करो?ों देशवासियों के गर्व का प्रतीक है. इतिहास में समय समय पर दुश्मन देश से रक्षा के लिए देश के हजारों सैनिकों ने अपना बलिदान दिया है। नागाणाराय डिफेंस एकेडमी निदेशक ईश्वरसिह बाधा एकेडमी की स्थापना 2019 हुआ, जो लगातार भारतीय आर्मी में अग्निवीर में 80 चयन हुआ है। साथ ही अग्निवीर सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए रोज सुबह शाम डिफेंस एकेडमी की ओर से पोकरण के जोधपुर रोड स्थित स्टेडियम में 1600 मीटर अग्निवीर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन करता गया। जिसमें जोधपुर, फलोदी, जैसलमेर सहित विभिन्न जिलों के युवाओं ने तैयारी करते हैं।

जालोर में पथ संचलन निकाला

जालोर, (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से जालोर में रविवार को प्रात: 7 बजे प्रताप बस्ती पथ संचलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पथ संचलन सरावास से रवाना हुआ, जो तिलकद्वार के अंदर भारत माता चौक होते हुए कुम्हारो का वास से बड़ी पोल, बडी पोल से वासुपूज्य मंदिर होते हुए किले की घाटी, जीनगर बस्ती, ऊपर कोटा से हरिजन बस्ती होते हुए सूरज पोल पहुंचा। वहां से पुरा मोहल्ला होते हुए खिरणीवाव से प्रताप चौक स्कूल, ओसलवाल न्याति नोहरा होते हुए सरदार पटेल मार्ग से पुन: सरावास संघ पहुंचा। पथ संचलन में स्वयं सेवक पुरे गणवेश में घोष वादन की धुन पर कदम से कदम मिलते हुए पुरे अनुशासन के साथ चलते नजर आये। वही पथ संचलन का जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पथ संचलन को देखने के लिए पुरे मार्ग पर लोगो की भीड़ नजर आई। वही स्वयं सेवक घोष वादन के लय व ताल के साथ कदम से कदम मिलाते हुए चलते नजर आये। पथ संचलन को लेकर पुलिस की माकूल व्यवस्था नजर आई।

शैक्षिक सम्मेलन खींचन में 25 से

जोधपुर, (कास)। राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर का दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन फलोदी की ग्राम पंचायत खींचन में राजकीय महावीर उच्च माध्यमिक विद्यालय में 25 व 26 अक्टूबर को होगा। जिलाध्यक्ष डॉ. मुरलीधर कटारिया और महामंत्री गोरखाराम शेखावत ने बताया कि सम्मेलन का शुभारंभ 25 अक्तूबर को सुबह 10 बजे होगा। शुभारंभ समारोह में केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्री, विधायक, भामाशाह एवं संगठन के पदाधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन में शिक्षा जगत में नवाचार, शिक्षक समुदाय से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श कर मांग पत्र राज्य सरकार को भेजा जाएगा। सम्मेलन में फलोदी, लोहावट, देचू, बापिणी, आऊ, बाप, घंटियाली ब्लॉक के अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी शामिल होगी। कोषाध्यक्ष गंगाराम चौहान और फलोदी ब्लॉक अध्यक्ष आसुराम परिहार ने बताया कि प्रथम जिला सम्मेलन को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने के लिए जिला एवं ब्लॉक के पदाधिकारी जुटे हुए हैं। समारोह में करीब 700 प्रतिनिधि शामिल होंगे।

अवैध डोडा पोस्त सहित एक पकड़ा

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के भीनमाल पुलिस ने रविवार का अवैध मादक पदार्थ तस्कर के विरूद्ध कार्यवाही कर 09 किलो 222 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद कर एक आरोपी का गिरफ्तार किया। जालोर शहर के रिको एरिया सरहद भीनमाल में मुखबीर ईतलानुसार मुलजिम हनुमान के कृषि बेरे पर बनी पतरो की ओरडी तलाशी ली गई तो अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त 09 किलो 222 ग्राम होना पाया गया, जिसको बरामद कर मुलजिम हनुमान पुत्र बाबुलाल जाति विश्नोई उम्र 39 साल निवासी डुंगरवा पुलिस थाना बागोडा जिला सांचोर हाल रिको एरिया सरहद भीनमाल को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जब्त कर मुलजिम के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है।

डिफेंस काउंसिल का वकीलों के मामले में हस्तक्षेप का विरोध

■ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष हारून को अभिभाषक संघ जालोर ने ज्ञापन सौंपा

जालोर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर की ओर से नियुक्त डिफेंस काउंसिल के वकीलों ने मुलजिमों की पैरवी के मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप करने तथा अधिवक्ताओं के वकालतनामे लगे होने के बावजूद जिला कारागृह जालोर में बंद कैदियों को अधिवक्ताओं के खिलाफ भड़काकर स्वयं के वकालतनामे लगाकर भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए मामले में उचित कार्रवाई को लेकर अभिभाषक संघ जालोर ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष हारून को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि अभिभाषक संघ जिला जालोर को संघ के सदस्य अधिवक्ताओं की ओर से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं तथा कई अधिवक्ताओं ने मौखिक व लिखित रूप से भी अवगत कराया कि जेल में बंद उनके फरिकेन को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त डिफेंस काउंसिल के वकीलों द्वारा भ्रमित किया जा रहा है। डिफेंस काउंसिल के वकीलों द्वारा जिला कारागृह जालोर में जाकर कारागृह में बंद कैदियों को बार - बार संपर्क किया जा रहा है तथा कैदियों के पहले से ही वकील नियुक्त होने के बावजूद डिफेंस काउंसिल द्वारा वकीलों के खिलाफ भडकाकर तथा भ्रमित कर उनके जेल में बंद होने का फायदा उठाकर उनके वकालतनामे प्राप्त कर विभिन्न न्यायालयों में पैरवी की जा रही है जो उचित नहीं है। अभिभाषक संघ के सदस्यों के लिए तथा वकालत के पेशे के लिए कुछ नैतिक कर्तव्य भी बने हुए है तथा प्रत्येक अधिवक्ता का कर्तव्य है कि वह उनको पालन करें तथा डिफेंस काउंसिल से भी ऐसी ही अपेक्षा है। नैतिक कर्तव्य के नाते अगर कोई अधिवक्ता पहले से नियुक्त है तो अन्य अधिवक्ता नियुक्त होने के लिए संबंधित अधिवक्ता की एनओसी प्राप्त करने की परंपरा भी है, लेकिन डिफेंस काउंसिल द्वारा किसी तरह की एनओसी के बिना तथा मुलजिमों पर दबाव बनाकर उनसे हस्ताक्षर करवाकर न्यायालयों में वकालतनामे पेश किए जा रहे हैं, जो अधिवक्ताओं के एथिक्स के भी खिलाफ है तथा एक तरह की बैड प्रैक्टिस भी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पूर्व में भी जेल में निरुद्ध कैदियों की पैरवी के लिए अधिवक्ताओं को नियुक्त किया जाता रहा है, उसका भी एक नियम होता है। जेल में बंद ऐसे कैदी जिनके पास अपनी पैरवी के लिए अधिवक्ता नहीं है या जो अपना अधिवक्ता नियुक्त करने में असमर्थ है, ऐसे कैदियों के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जाती रही है, जिसका कभी किसी अधिवक्ता या संघ ने विरोध नहीं किया। वर्तमान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा डिफेंस काउंसिल का भी यह काम है कि जिनके वकील नहीं है या जो कैदी आर्थिक स्थिति के कारण अपने वकील नियुक्त नहीं कर सकते, उनकी पैरवी के लिए डिफेंस काउंसिल का वकील नियुक्त किया जाए, लेकिन डिफेंस काउंसिल द्वारा जेल में बंद कैदियों को भ्रमित किया जा रहा है तथा उनके जेल में बंद होने की मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर पहले से वकील नियुक्त होने के बावजूद वकालतनामा लगाकर नियम विरुद्ध कार्य किया जा रहा है। जिससे अधिवक्ताओं में रोष बढ रहा है। डिफेंस काउंसिल के इस तरह के कृत्यों से अधिवक्ताओं के मध्य विभेद बढेगा तथा अभिभाषक संघ की गरिमा के साथ न्यायालय की गरिमा को भी क्षति पहुंचेगी तथा बार और बेंच के बीच सम्बंधों में भी कडवाहट आएगी। डिफेंस काउंसिल के ऐसे कृत्य से अधिवक्ता जीवन के नैतिक कर्तव्यों का भी अवमूल्यन होगा। इससे आपसे अपेक्षा है कि डिफेंस काउंसिल के ऐसे कृत्यों पर अंकुश लगाया जावें।

ज्ञापन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त डिफेंस काउंसिल द्वारा मुलजिमों की पैरवी के मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप करने तथा अधिवक्ताओं के वकालतनामे लगे होने के बावजूद जिला कारागृह में बंद कैदियों को अधिवक्ताओं के खिलाफ भडकाकर स्वयं के वकालतनामे लगाकर भ्रमित करने के मामले में उचित कार्यवाही करने की मांग की गई।

इस दौरान काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

पांच दिवसीय ओम शिवपुरी स्मृति नाट्यय समारोह का समापन

जोधपुर, (कासं)। ओम शिवपुरी स्मृति नाटक महोत्सव के पांच दिवसीय महोत्सव के अन्तर्गत आज सृजन कला समिति प्रयागराज के नाटक राजा बूटीफूल का मंचन किया गया। जिसका निर्देशन सिद्धार्थ पाल के द्वारा किया गया। नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा।

गौरतलब है कि 16 अक्टूबर (ओम शिवपुरी की पुण्यतिथि) से यह नाट्ययोत्व शुरू हुआ था। जिसमें राज्य व अन्य राज्य के स्तर के पांच नाटकों का मंचन गया। 16 अक्टूबर को प्रथम दिवस मयूर नाट्यय संस्था, जोधपुर का नाटक 'बाली और शंभु' का मंचन किया गया ।जिसका निर्देशन डा.एस.पी. रंगा, जोधपुर ने किया । 17 अक्टूबर को वीणा पाणि कला मंदिर, जयपुर के नाटक 'प्रीत की ऐसी रीत' का मंचन जयपुर के जाने-माने रंगकर्मी सौरभ भट्ट के निर्देशन, 18 अक्टूबर सुरेश चंद खात्री के निर्देशन में नाटक काया में काया का मंचन, 19 अक्टूबर को अभिषेक मुद्गल का नाटक माहरथी का मंचन किया गया। इस समारोह में मंचित होने वाले आपकों को देखने के लिए देशभर के नाट्यय प्रेमी जोधपुर पहुंचे।

ओम शिवपुरी का शुरू में नाटकों की तरफ ज्यादा ध्यान देते थे। बाद में वे फिल्मी दुनिया में चले आए। उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे कलाकार ऐसे थे, जिन्होंने हिंदी फिल्मों में खलनायक बनकर अपनी एक खास पहचान बनाई थी। उन्होंने उस जमाने में भले ही खलनायक का किरदार निभाते हों, लेकिन कई बार हीरों पर भी भारी पड़ते थे। ओम शिवपुरी ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं। वह 175 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। आज भले ही ओम शिवपुरी इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन वो हमेशा अपने चाहने वालों के दिलों में जिंदा रहेंगे। शिवपुरी का निधन 15 अक्टूबर, 1990 को मुम्बई में हो गया था।

ओम शिवपुरी का जन्म 14 जुलाई, 1938 राजस्थान में हुआ था। वे अपने परिवार के साथ काफी समय जोधपुर में रहे तथा रंगमंच के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

ओम शिवपुरी का प्रारंभिक जीवन रंगमंच से प्रभावित रहा।बाद में उन्होंने फिल्मों की तरफ रुख कर लिया।वे बॉलीवुड के लोकप्रिय कलाकारो में से एक थे। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा, नई दिल्ली से ठोजुएशन किया था।ओम शिवपुरी ने कई प्ले खुद ही डायरेक्ट किए, जिनमें आधे अधूरे, खामोश, अदालत जारी और कोर्ट चालू है काफ़ी पॉपुलर हुए थे। इसके बाद वे जयपुर चले गए।उन्होंने अपने करियर की शुरुआत जयपुर के एक रेडियो स्टेशन में काम करके की थी। जयपुर निवासी के दौरान उनकी मुलाकात सुधा से हुई तथा बाद में दोनों परिणय सूत्र में बंध गए। ओम शिवपुरी ने 1968 में सुधा शिवपुरी से शादी कर ली थी । दोनों ने मिलकर अपना एक थिएटर ठ्रुप भी शुरू किया । इसका नाम दिशांतर था । ओम शिवपुरी ने कई प्ले खुद ही डायरेक्ट किए । इसमें आधे अधूरे, खामोश, अदालत जारी और कोर्ट चालू है काफी पॉपुलर हुए थे । सुधा ने क्योंकि सास भी कभी बहू थी में बा के रोल से एक खास पहचान बनाई। वे कई फिल्मों और टीवी सीरियल में भी नजर आईं । सुधा ने बासु चैटर्जी की फिल्म स्वामी से साल 1977 में बॉलीवुड में डेब्यू किया।उनकी अन्य फिल्मों में इंसाफ का तराजू, हमारी बहू अलका, सावन को आने दो, सुन मेरी लैला, बर्निंग ट्रेन, विधाता, माया मेमसाब और पिंजर फिल्में शामिल हैं।

ओम शिवपुरी ने अपने फ़िल्मी करियर की शुरुआत 1971 में मणि कौल कीआषाढ़ का एक दिनसे की , इसके तुरंत बाद 1972 में गुलज़ार कीकोशिश आई। 1974 में वे बम्बई चले गये। लगभग दो दशक के करियर में उन्होंने 175 से अधिक हिन्दी फिल्मों में खलनायक और सहायक कलाकार जैसी विभिन्न भूमिकाएँ निभाईं।

ओम शिवपुरी की मौत के बाद उनकी फिल्में 7 सालों तक रिलीज होती रहीं। इसमें स्वर्ग, सैलाब, नरसिम्हा, खूनी रात, शांति क्रांति (1991), जुल्म की हुकूमत (1992), किस में कितना दम (1992), पुलिसवाला (1993) आखिरी संघर्ष (1997) जैसी फिल्में शामिल है।

वहीं ओम के निधन के 15 साल यानी 2015 सुधा भी चल बसीं. बता दें, ओम शिवपुरी और सुधा के दो बच्चे हैं, जिसमें एक बेटी ऋतु शिवपुरी और एक बेटा विनीत हैं ऋतु शिवपुरी भी बॉलीवुड की एक मशहूर कलाकार हैं।

गणपत सिंह हत्या मामले को लेकर अनशन जारी

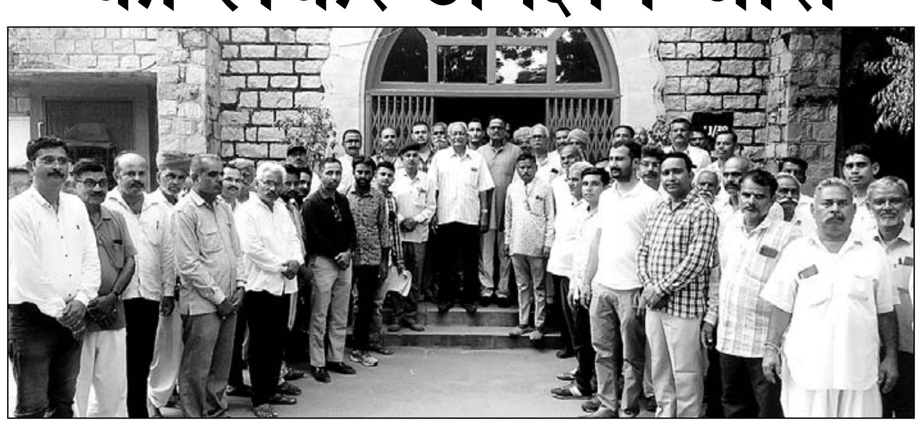

जालोर में राजपूत सहित सर्व समाज के लोग ज्ञापन देने कलैक्ट्रेट पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट मांडोली में गणपत सिंह हत्याकांड को लेकर जल्द से जल्द खुलासा करने को लेकर रविवार को चांदूर, बुगांव, कोलर, रामसीन के सर्व समाज के लोगो ने गंगा सिंह परमार रामसीन सेवानिवृत भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के नेतृत्व में सर्व समाज के लोगो ने जिला कलेक्टर जालोर एवं पुलिस अधीक्षक जालोर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

धरना स्थल पर परमार ने बताया कि गणपत सिंह मांडोली की निर्मम हत्या को करीब दो माह हो गया है। पुलिस अपराधियों तक नही पहुंच पा रही है, यह चिंता का विषय है। ऐसा लगता हे कि यह बहुत संगठित, योजनाबद्ध तरीके से हत्या को अंजाम दिया गया है। इसमे प्रभावशाली ओर पेशेवर व्यक्तियों की भूमिका भी हो सकती है। पुलिस प्रशासन अभी तक हत्या का खुलासा नही कर पाई है जिसके कारण पीड़ित परिवार को न्याय नही मिला है। पुलिस प्रशासन शीघ्र से शीघ्र खुलासा करें, अन्यथा जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेज कर पुलिस जांच सुचारू रूप से नही होने के कारण उक्त जांच सी.बी.आई. को सौपी जावे, ताकि मृतक परिवार को न्याय मिल सके।

बतााया कि इस हत्याकांड के बाद क्षेत्र में भय का माहौल है,अपराधी का अब तक नही पकड़ा जाना सभी की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है।

अपराधी अभी तक पुलिस पकड़ से बाहर है एवं हत्याकांड को लेकर काफी समय बीत चुका है। जिसको लेकर सर्व समाज मे भारी आक्रोश बना हुआ है। मामले की त्वरित जांच के लिए जिले के विभिन्न ग्रामवासी, परिवारजन ओर क्षत्रिय समाज सहित विभन्न संघटन द्वारा कई बार ज्ञापन धरना एवं प्रदर्शन किया गया है। वर्तमान में अनिश्चितकालीन धरना लगातार छठे दिन से जारी है। लेकिन अभी तक उक्त मामले का खुलासा नही होने के कारण पुलिस प्रशासन पर प्रश्न वाचक है।

ज्ञापन के दोरान गंगा सिंह परमार रामसीन, शेर सिंह चांदूर, जनक सिंह बुगाँव, चन्द्रवीर सिंह रामसीन, खुशवीर सिंह चांदूर,उगम सिंह कोलर, दौलत सिंह कॉलर,गजेंद्र सिंह सुराणा, गंगा सिंह चांदूर, चंदन सिंह चंपावत, पदम् सिंह मांडोली, दलपत सिंह उचमत, जबर सिंह बिठन सहित सैकडो की संख्या में ग्रामवासी एवम परिवारजन उपस्थित थे।

ध्वजारोहण एवं सजोड़े जाप हुए

पाली, (नि.सं.)। आचार्य अमरसिंह म.सा. का 363 वां जन्म दिवस दादा गुरूदेव 1008 ताराचंदजी म.सा. का 142वां जन्म दिवस एवं उपाध्याय पुष्कर मुनिजी म.सा. का 115वां जन्म दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम युग प्रधान ध्यान योगी आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनिजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती वात्सल्य वारिधि तपसूर्या उप प्रवर्तिनी महासती मंजुल ज्योतिजी म.सा. आदि ठाणा-5 के सानिध्य में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ रूई कटला में आयोजित किए गए।

श्री गुरू पुष्कर जैन साधना केन्द्र के संस्थान के मंत्री केवलचंद कवाड़ ने बताया कि सर्वप्रथम प्रात: 7 बजे साधु-संतों का मंगल प्रवेश हुआ। 8 बजे घीसुलाल सुरेशकुमार सुनीलकुमार कवाड़ परिवार द्वारा वार्षिक ध्वजारोहण किया गया। 9 बजे सजोडे. जाप माला एवं 5 पदों की बोली लगाई गई। महिला मण्डल द्वारा गुणगान स्वरूप भजन प्रस्तुत किया गया । इसके पश्चात् शरद एवं सौरभ पारख द्वारा गीत द्वारा गुणगान किया गया। मंत्री केवलचंद कवाड़ द्वारा भवन में किए जा रहे कार्यों एवं आगामी कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान की। तपस्वी नगीना बोहरा, रेखा कटारिया, मैना गादिया का अभिनन्दन पत्र देकर बहुमान किया। तीन-तीन सामायिक के लाभार्थी मूलचन्द प्रमोदकुमार बोहरा (गढवाड़ा वाला) पाली, सजोड़े जाप के लाभार्थी गुरू भक्त, प्रवचन एवं गुणगान के लाभार्थी विशालकुमार विनीतकुमार नेमीचन्द कवाड़, (जैतपुर वाला) पाली, लक्की ड्रॉ के लाभार्थी नेमीचन्द मनोजकुमार कवाड़, (जैतपुर वाला) पाली रहे।

अमृता हाट आज से

जोधपुर, (कासं)। संभाग स्तरीय नवम अमृता हाट का आयोजन 21 से 27 अक्टूबर तक अरबन हाट परिसर में किया जायेगा। इसको लेकर सभी तैयारियां आज पूरी कर ली गई।

महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित, मूल्य संवर्धित उत्पादों के विपणन के लिए संभाग स्तरीय अमृता हाट में राज्य के विभिन्न जिलों से स्वयं सहायता समूह द्वारा 80 स्टॉल्स लगाई जायेगी। मेले में भाग लेने वाली स्वयं सहायता समूह सदस्यों को विभाग की ओर से नि:शुल्क स्टॉल्स, आवासीय व्यवस्था, भोजन एवं यात्रा भत्ता उपलब्ध करवाया जायेगा। अमृता हाट का समय प्रात: 10.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक होगा जिसमें प्रवेश व पार्किंग की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। हाट में ठााहक द्वारा न्यूनतम 500 रूपये तक के उत्पाद क्रय करने पर लक्की ड्रॉ की व्यवस्था होगी जिसमें प्रतिदिन ड्रॉ के 3 लक्की विजेताओं को 500, 300, 200 रूपये की नि:शुल्क खरीददारी विभाग द्वारा करवाई जायेगी।

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक फरसाराम विश्नोई ने बताया कि अमृता हाट में विभागीय महिला स्वयं सहायता समूहों, उद्योग विभाग, राजीविका, एनयूएलएम द्वारा गठित महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिला आर्टिजन द्वारा निर्मित हैण्डीक्राफ्ट उत्पाद जैसे लाख की चूड़ीया, मोजड़ी, पेपरमेशी, आर्टिफिशियल फ्लोवर्स, टोराकोटा, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, उनी व सूती रेडिमेड गारमेंट, कशीदाकारीयुक्त, चिकन जरी, पेचवर्क, कांच जड़ाई, वुडन क्राफ्ट, मार्वल की कलात्मक वस्तुएं आदि के हस्त निर्मित उत्पाद, बंधेज, लहरियां, मोतड़ा, कोटाडोरियां की साड़िया, सलवार शूट, रोहट/सालावास की दरियां व चद्दरे, बाड़मेर की अजरख प्रिन्ट चद्दरें, गुजराती सामान, देवी-देवताओं की पोशाकें, कश्मीरी वूलन गारमेंट, ड्राई फ्रूट्स, सोजत की मेहन्दी, खाद्य उत्पादों में अंथाना की मिर्ची का अचार, मुरब्बा, मसालें, पापड़ मंगोड़ी, सूखी सब्जीयां आदि उपलब्ध रहेंगे।

ये समस्त उत्पाद विभिन्न वेरायटी व पर्याप्त मात्रा में उचित मूल्य पर बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

बालावत राठौड़ इतिहास लेखन पर चर्चा एवं स्नेह मिलन समारोह हुआ

जालोर, (कासं)। सायला उपखंड क्षेत्र के रटूजा गांव में रविवार को वीर शिरोमणि राव बालाजी राठौड़ सेवा संस्थान की ओर से बालावत राठौड़ इतिहास लेखन से संबंधित चर्चा एवं छठे स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

■ आपने जो मुझे इतिहास लेखन की जिम्मेदारी दी है उसको पूरी मेहनत और तथ्यों के साथ संकलन करने का कार्य कर रहा हूं : इतिहासकार महेंद्रसिंह तंवर

सायला उपखंड क्षेत्र के रटूजा गांव में वीर शिरोमणि राव बालाजी राठौड़ सेवा संस्थान ने बालावत राठौड़ इतिहास लेखन से संबंधित चर्चा एवं छठे स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इतिहासकार महेंद्रसिंह तंवर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालाजी सेवा संस्थान के अध्यक्ष गजेंद्रपाल सिंह पोषाणा ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महेन्द्र सिंह तंवर ने कहा कि बालावतों का इतिहास गौरवशाली और प्रेरणादायी है और जब यह इतिहास एक किताब के रूप में संग्रहित होकर आपके सामने आएगा और आपके आने वाली पीढियां जब इसको पडेगी तो उन्हें इससे प्रेरणा मिलेगी।

तंवर ने कहा कि आपने जो मुझे इतिहास लेखन की जिम्मेदारी दी है उसको पूरी मेहनत और तथ्यों के साथ संकलन करने का कार्य कर रहा हूं।

उन्होंने बालावत इतिहास के लेखन संबंधित अब तक हुए कार्य के बारे में भी अवगत कराते हुए कहा कि अब तक लेखन संबंधित कार्य करीब 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है और आगामी बहुत कम समय में इसे सम्पन्न कर दिया जाएगा।

महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि इतिहास लेखन में एक टीम वर्क काम करती है ताकि कोई त्रुटि नहीं रहे। उन्होंने कहा कि हमने कड़ियों को जोड़ा और एक एक गांव जाकर इतिहास से संबंधित जानकारी का संकलन किया। वंशावलियों का लेखन भी किया। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास लेखन से प्रेरणा लेनी है और आगे बढना है।

उन्होंने संस्थान के पदाधिकारियों एवं समाज के लोगो को बधाई देते हुए कहा कि आपने समाज में जागृति लाई जिससे पूरा समाज प्रेरित हुआ और इतिहास लेखन का कार्य शुरू हुआ।

स्नेह मिलन समारोह को वीर शिरोमणि बालाजी राठौड़ सेवा संस्थान के अध्यक्ष गजेंद्रपाल सिंह पोषाणा ने संबोधित करते हुए कहा कि हम आज जो इतिहास लेखन का कार्य कर रहे हैं वो हम पूर्वजो के काम को आगे बढाने का काम कर रहे हैं। आपके इतिहास से ही वर्तमान की पहचान है जिसे आप दुनिया को बता सको।

पोषाणा ने कार्यर्कम में नशे से होने वाले नुकसान एवं सामाजिक कार्य मों में नशे को पूरी तरह से बंद करने बात कही।उन्होंने समाज में व्याप्त कई कुरीतियों की ओर ध्यान दिलाते हुए इनमें सुधार करने की बात कही। विक्रमसिंह मोकलसर ने कहा कि पूर्वजों के पीछे अपनी पहचान है है।

उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए समाज बंधुओं से प्राचीन कालीन छतरियों के रख रखाव पर ध्यान देने की बात कही।

कार्यक्रम के अंत में उगम सिंह रटूजा ने सभी का आभार जताया।

बाबूसिंह मेडा, भंवरसिंह थलुंडा, चुंडावतसिंह ऐलाणा, गणपतसिंह सापनी, तेजसिंह निम्बलाना, सुखसिंह बादनवाडी, समंदर सिंह निम्बलाना, पुष्पेंद्र सिंह, नीरू कंवर थलुंडा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन गोविंदसिंह ने किया।

इस दौरान मान सिंह मोकलसर, अगर सिंह रटुजा, देवीसिंह रटुजा, भूरसिंह रटुजा, कल्याणसिंह बोक?ा, सरदार सिंह सनेई, ईश्वर सिंह सरूपुरा, डूंगरसिंह देबावास, स्वरूप सिंह बिशनगढ़, भगवत सिंह मांडवला, मोतीसिंह निम्बलाना, श्यामसिंह रमणीय, नाथू सिंह तीखी, रिडमल सिंह नरसाना, मोतीसिंह झाक सहित बडी संख्या में समाज बंधु मौजूद थे।

रेलवे अस्पताल में पहली बार अंडाशय के कैंसर का सफल ऑपरेशन

जोधपुर, (कास)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेलवे अस्पताल में पहली बार अंडाशय के कैंसर का व्यापक सफल ऑपरेशन कर एक महिला को राहत पहुंचाई गई। जोधपुर मंडल के पीपाड़ रोड निवासी एक सेवानिवृत्त रेलकर्मी की पत्नी को पिछले एक माह से पेट दर्द की तकलीफ होने पर जोधपुर रेलवे अस्पताल लाया गया जहां उसकी जांच में अंडाशय के उन्नत कैंसर का होना पाया गया।

अस्पताल के अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर में गाइकोनॉलॉजिस्ट डॉ नेहा तिवारी ने महिला के अंडाशय कैंसर का विस्तृत सफल ऑपरेशन कर उसे राहत पहुंचाई। महिला अब स्वस्थ है। डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने इस उपलब्धि पर रेलवे अस्पताल प्रशासन को बधाई दी है। डॉ नेहा तिवारी हाल में एम्स हॉस्पिटल से पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप करके रेलवे अस्पताल लौटी है। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ प्रद्युमन साहू,डॉ ए वासुदेवन(एनेस्थीसिया), व ओटी सहायक विनीता पंवार,ऋषि गहलोत व सुरेंद्र शामिल थे।

नागरिकता शिविर आज

बाड़मेर, (नि.सं.)। बाड़मेर जिले में स्थाई वास के आधार पर निवास कर रहे अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के लंबित नागरिकता के आवेदनों के निस्तारण एवं भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए सोमवार को जिला मुख्यालय पर पंचायत समिति बाड़मेर के सभागार में शिविर आयोजित होगा।

अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने बताया कि गृह विभाग के निर्देशों की पालना में बाड़मेर जिले में स्थाई वास के आधार पर निवास कर रहे अफगानिस्तान, बांग्लादेश एवं पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य यथा हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी एवं इसाई के भारतीय नागरिकता के लंबित आवेदनों के निस्तारण करने के साथ भारतीय नागरिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीआईडी एवं विदेशी पंजीयन अधिकारी, विकास अधिकारी पंचायत समिति बाड़मेर, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उप निदेशक को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।